:- महाभारत का संक्षिप्त परिचय।

महाभारत भारतीय संस्कृति और साहित्य का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। यह दुनिया का सबसे बड़ा महाकाव्य माना जाता है और इसे वेद व्यास द्वारा रचित माना जाता है। महाभारत में लगभग 1,00,000 श्लोक हैं, जो इसे संस्कृत में रचित सबसे लंबा ग्रंथ बनाते हैं। यह ग्रंथ न केवल धार्मिक और दार्शनिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है, बल्कि ऐतिहासिक और सामाजिक दृष्टि से भी उपयोगी है।

महाभारत का महत्व

महाभारत केवल एक कथा नहीं है, बल्कि यह धर्म, कर्म, मोक्ष, जीवन मूल्यों, और नैतिकता की गहरी शिक्षाएँ प्रदान करता है। इसमें पांडवों और कौरवों के बीच संघर्ष की कहानी है, जो अंततः धर्म और अधर्म के बीच की लड़ाई बन जाती है।

महाभारत का स्वरूप

महाभारत को 18 पर्वों (अध्यायों) में विभाजित किया गया है, और प्रत्येक पर्व में अलग-अलग घटनाओं और प्रसंगों का वर्णन है।

महाभारत की मुख्य घटनाएँ

1. आदि पर्व: महाभारत की भूमिका और वंश की शुरुआत।
2. सभा पर्व: पांडवों का राज्याभिषेक और द्यूत का खेल।
3. वन पर्व: पांडवों का वनवास।
4. विराट पर्व: अज्ञातवास की कथा।
5. उद्योग पर्व: युद्ध की तैयारी।
6. भीष्म पर्व: भीष्म के नेतृत्व में युद्ध।
7. द्रोण पर्व: द्रोणाचार्य के नेतृत्व में युद्ध।
8. कर्ण पर्व: कर्ण के नेतृत्व में युद्ध।
9. शल्य पर्व: शल्य के नेतृत्व में युद्ध।
10. सौप्तिक पर्व: अश्वत्थामा द्वारा पांडव सेना का वध।
11. स्त्री पर्व: युद्ध के बाद दुःखद परिणाम।
12. शांति पर्व: युद्ध के बाद धर्म और शासन की शिक्षा।
13. अनुशासन पर्व: धर्म और नीति की शिक्षा।

14. अश्वमेध पर्व : युधिष्ठिर का अश्वमेध यज्ञ।
15. आश्रमवासिक पर्व : वृद्धावस्था में वन गमन।
16. मौसल पर्व : यादवों का विनाश।
17. महाप्रस्थानिक पर्व : पांडवों की अंतिम यात्रा।
18. स्वर्गारोहण पर्व : स्वर्गारोहण और मोक्ष।

भगवद्गीता

महाभारत का एक महत्वपूर्ण हिस्सा भगवद्गीता है, जो कुरुक्षेत्र के युद्ध में भगवान कृष्ण और अर्जुन के बीच संवाद के रूप में प्रस्तुत है। यह गीता धर्म, योग, कर्म, भक्ति और ज्ञान पर गहन शिक्षाएँ देती है।

प्रमुख पात्र

1. पांडव : युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव।
2. कौरव : दुर्योधन, दुःशासन और उनके 98 अन्य भाई।
3. कृष्ण : पांडवों के मार्गदर्शक।
4. द्रौपदी : पांडवों की पत्नी।
5. भीष्म, द्रोणाचार्य, कर्ण, शकुनि, विदुर